भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †3746
सोमवार, 16 मार्च, 2026/25 फाल्गुन, 1947 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

विदेशी पर्यटकों के बीच भारत की छवि को बढ़ावा देना

†3746. डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरीः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत में विदेशी पर्यटकों के आगमन (एफटीए) के रुझानों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है और देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसका कितना योगदान रहा है;

(ख) भारत के उन क्षेत्रों या राज्यों का ब्यौरा क्या है जहाँ सर्वाधिक विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) दर्ज किया गया है और विदेशी पर्यटकों के बीच उनकी लोकप्रियता में योगदान देने वाले कारक कौन से हैं;

(ग) साहसिक और कल्याण (वेलनेस) पर्यटन जैसे 'नीश' पर्यटन के लिए भारत को एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने के लिए वैश्विक पर्यटन बोर्डों के साथ की गई साझेदारियों का ब्यौरा क्या है;

(घ) विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने और संतुलित क्षेत्रीय पर्यटन विकास सुनिश्चित करने के लिए कम प्रसिद्ध गंतव्यों को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं; और

(ङ) विदेशी यात्रियों के बीच भारत की छवि को निखारने में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन मेलों और रोड शो के योगदान का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क): पिछले पांच वर्षों के दौरान भारत में विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए) में समग्र रूप से वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है। देश के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन क्षेत्र के योगदान में भी इसी तरह की वृद्धि हुई है। एफटीए और पर्यटन जीडीपी का वर्ष-वार विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

(ख): आप्रवासन ब्यूरो राष्ट्रीय स्तर पर विदेशी पर्यटकों के आगमन के संबंध में सूचना एकत्रित करके पर्यटन मंत्रालय को उपलब्ध कराता है। इन आंकड़ों का क्षेत्र अथवा राज्य-वार विवरण उपलब्ध नहीं है।

तथापि, पर्यटन मंत्रालय, राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के माध्यम से विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में विदेशी पर्यटक यात्राओं के आंकड़ों का संकलन करता है। वर्ष 2024 के आंकड़ों के अनुसार, निम्नलिखित पांच राज्यों ने सबसे अधिक विदेशी पर्यटक यात्राओं की सूचना दी है:

1. महाराष्ट्र
2. पश्चिम बंगाल
3. उत्तर प्रदेश
4. गुजरात
5. राजस्थान

(ग): पर्यटन मंत्रालय वैश्विक संबंधों को बढ़ाने और पर्यटन नीतियां तैयार करने के लिए यूएनडब्ल्यूटीओ, आसियान, जी20, ब्रिक्स और पीएटीए जैसे कई अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से संपर्क करता है। वर्तमान में, पर्यटन के क्षेत्र में द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग के लिए 46 वैध समझौता ज्ञापन (एमओयू) हुए हैं।

(घ): पर्यटन मंत्रालय अपनी विभिन्न संवर्धनात्मक पहलों जैसे वेबसाइट, सोशल मीडिया संवर्धनों, कार्यक्रमों में भागीदारी, मेलों और महोत्सवों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों को सहायता आदि के माध्यम से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अल्पज्ञात स्थलों सहित देश के विभिन्न पर्यटक स्थलों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

(ङ): पर्यटन मंत्रालय निरोगता और साहसिक जैसे विशिष्ट खंडों सहित भारत के विभिन्न पर्यटन उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए लंदन में वर्ल्ड ट्रेवल मार्ट (डब्ल्यूटीएम), मैड्रिड में एफआईटीयूआर और आईटीबी बर्लिन जैसे प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय यात्रा मेलों और प्रदर्शनियों में नियमित रूप से भाग लेता है। ये आयोजन अंतर्गामी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए "अतुल्य भारत" ब्रांड को सुदृढ़ करते हैं, वैश्विक दृश्यता बढ़ाते हैं, और विदेशी टूर ऑपरेटरों और हितधारकों के साथ बी2बी बैठकों की सुविधा प्रदान करते हैं।

****

अनुबंध

डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरी द्वारा विदेशी पर्यटकों के बीच भारत की छवि को बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 16.03.2026 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †3746 के भाग (क) के उत्तर में **विवरण**

वर्ष 2020 से 2024 तक भारत में विदेशी पर्यटक आगमन (एफटीए):

वर्ष	**एफटीए**
2020	27,44,766
2021	15,27,114
2022	64,37,467
2023	95,20,928
2024	99,51,722

स्रोत: आप्रवासन ब्यूरो

पर्यटन संबंधी जीडीपी (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) लाख रुपये में और देश के सकल घरेलू उत्पाद में प्रतिशत हिस्सेदारी

वित्तीय वर्ष	**पर्यटन संबंधी जीडीपी**	**प्रतिशत हिस्सेदारी**
2019-20	104098995	5.2
2020-21	29617002	1.5
2021-22	41098373	1.7
2022-23	136833610	5.1
2023-24	157372988	5.2

****